गोलालारीय समाज का मुखपत्र

RNI No. MPHIN/2008/26873
No. MP/IDC/1252/2021-2023

सेवा में,

golalariya.darshan@gmail.com
गोलालारीय दर्शन यहां भी देख सकते है –
www.golalariya.com
9406744064

मासिक
गोलालारीय दर्शन
सफलता के 13 वर्ष
लेट पोस्टिंग
अपनों के साथ अपनी बातें

जो भरा नहीं है भावों से, बहती जिसमें रसधार नहीं । हृदय नहीं वह पत्थर है, जिसको समाज से प्यार नहीं ।

वर्ष : 13 अंक : 8 पृष्ठ संख्या : 8 माह – 15 जून 2022 सहयोग राशी 1100/– देकर सदस्य बनें ।

भव्य पंचकल्याणक महामहोत्सव से सज गया ब्रजपुर का चन्द्रायतन तीर्थ

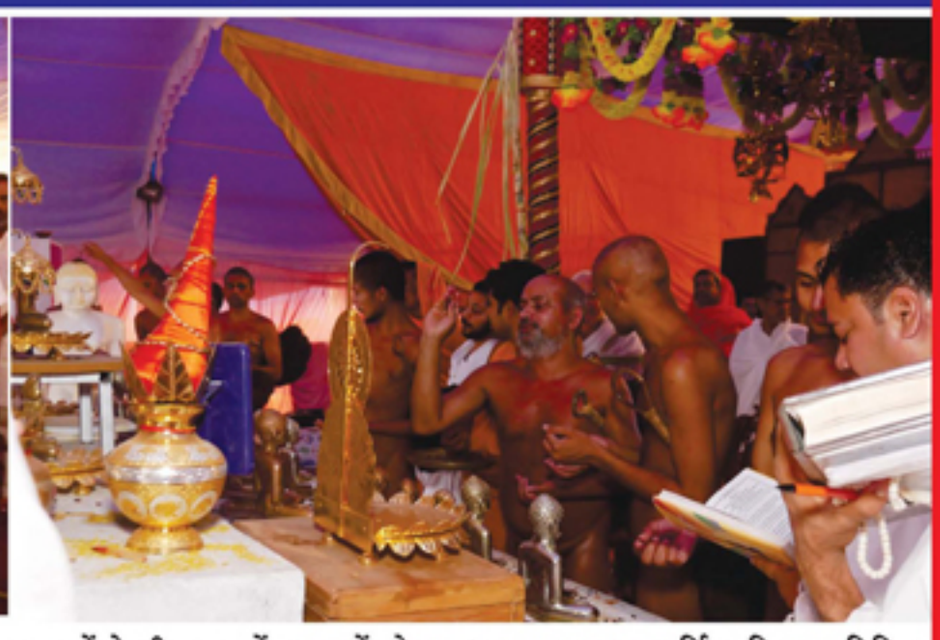

ब्रजपुर, सिध्दार्थ जैन, रुपेश जैन । श्री 1008 अतिशय क्षेत्र चंद्रायतन तीर्थ ब्रजपुर में श्री 1008 श्री आदिनाथ जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव एवं विश्वशांति महायज्ञ श्रमणाचार्य 108 श्री विशुद्ध सागर जी महाराज ससंघ व मुनि श्री 108 आस्तिक्य सागर जी व मुनि श्री 108 प्रणीत सागर जी महाराज के सादर सानिध्य में 1 मई से 6 मई तक सानंद संपन्न हुआ।

संस्कार जीवन में अत्यावश्यक हैं, वस्तु कैसी भी हो चाहे चेतन या अचेतन उस पर संस्कार होने के बाद वह पूज्यता को प्राप्त हो जाती हैं। पाषाण को प्रतिमा का रूप देने के लिए पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन किया जाता हैं।

पन्ना जिले के ब्रजपुर ग्राम में स्थित दिगंबर जैन बड़ मंदिर के जीर्णोद्धार का कार्य श्रमण मुनि 108 श्री आस्तिक्य सागर जी महाराज के प्रेरणा से होकर श्री 1008 अतिशय क्षेत्र चंद्रायतन तीर्थ के नाम से परिवर्तित कर रखा गया। यहां पर उतुंग दिगंबर जैन प्रतिमाएं स्थित है। मुनि श्री आस्तिक्य सागर जी के गुरु परम पूजनीय श्रमणाचार्य 108 श्री विशुद्ध सागर जी महाराज ससंघ 30 मुनिराज व ब्रह्मचारी भैया सहित बज्रपुर में 3 मई, अक्षय तृतीया के दिन आगमन से आयोजन स्थल जैन धर्म के जयकारों से गूंज उठा।

प्रथम दिवस घट यात्रा, ध्वजारोहण, मंडप प्रतिष्ठा, सकलीकरण, इंद्र प्रतिष्ठा, यागमंडल विधान व अंकुरारोपण क्रियाएं की गई। गर्भ कल्याणक के पावन दिवस पर गर्भ कल्याणक पूजन, गोद भराई के अवसर पर श्रावकों ने बढ़–चढ़कर धर्म लाभ लिया। जन्म कल्याणक के अवसर पर जन्म संस्कार विधि कराई गई, जब माता ने बालक आदिनाथ को जन्म दिया उस मंगल बेला पर प्रांगण जयकारों से गूंज गया । इन्द्रों द्वारा रत्नों की वर्षा की गई, उपस्थित श्रावकों ने भी हर्षोल्लास के साथ बालक आदिनाथ के जन्म पर रत्नों की वर्षा की आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज ने दिव्य देशना की।

तप कल्याणक दिवस महोत्सव का विशेष दिन होता आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज ने कहा कि जीवन में तप का बड़ा ही महत्व है । जैन मुनियों की कठिन साधना, तप, त्याग का विस्तार से वर्णन करते हुए बताया कि मनुष्य जीवन एक क्रिकेट मैच की तरह है इसमें जिंदगी की पिच पर सिर्फ आपको अकेले खेलना पड़ता है अकेले ही बैटिंग करना होती है, आप को आउट करने के लिए पूरे 11 खिलाडी होते हैं। ज्ञान कल्याणक के दिवस आचार्य विशुद्ध सागर जी ने कहा कि इस संसार में जीवन जीने की कला जैन धर्म के पहले तीर्थकर भगवान आदिनाथ ने सिखाई है उन्होंने कहा कि एक पिता का अपने बच्चों के प्रति दायित्व और एक बेटे का अपने पिता के प्रति विनय पूर्ण कर्तव्य का ज्ञान आदिनाथ भगवान ने कराया उन्होंने कहा वर्तमान परिवेश में समाज में कई प्रकार की विषमता दिखाई दे रही हैं इसलिए जरुरी है कि हम बेटियों को भी बेटों के समान शिक्षित प्रशिक्षित कराएं। मोक्ष कल्याणक की मंगल बेला में भगवान आदिनाथ के मोक्ष गमन पर उपस्थित श्रावकों के जयकारों संपूर्ण प्रांगण गुंजायमान हो गया । इस अवसर पर आचार्य श्री ने कहा कि हम अपने स्वयं के साथ ही अपने परिजनों और समाज बंधुओं के हितार्थ कार्य करना चाहिए ।

महामहोत्सव में प्रतिदिन उत्साहपूर्वक अभिषेक, पूजन, शांतिधारा पश्चात विधिविधान अनुसार यज्ञ व अन्य धार्मिक क्रियाएं इन्द्र इन्द्राणीयों द्वारा कर हजारों श्रावकों के साथ पुण्य लाभ अर्जित किया प्रतिदिन महाआरती, नृत्य नाटिका व विविध कार्यक्रमों ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया।

हीरो की नगरी बज्रपुर को पहली बार 30 साधुओं का समागम प्राप्त हुआ जिससे आसपास के ग्रामों व नगरों के हजारों श्रावकों ने इस भव्य आयोजन के हर कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लेकर सहभागिता निभाई। इस पवित्र स्थान चंन्द्रातन तीर्थ की जो भी श्रद्धा से परिपूर्ण होकर भक्ति करता हैं उसके दुख मिट जाते हैं **भक्ति करो अतिशय क्षेत्र चंद्रायतन की, अवश्य राह मिलेगी सिद्धायतन की।**

इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में पंचकल्याणक समिति के अध्यक्ष श्री नरेंद्रकुमार जैन, कार्यकारी अध्यक्ष श्री राहुलकुमार जैन, श्री चक्रेश जैन, उपाध्यक्ष श्री सुनीलकुमार जैन श्री सत्येंद्र जैन, श्री अशोककुमार जैन, कोषाध्यक्ष श्री के.सी. जैन सहकोषाध्यक्ष श्री सिद्धार्थ जैन, श्री सनत जैन, श्री अनुज जैन, श्री रविंद्र जैन महामंत्री श्री सुनीलकुमार जैन अंकित जैन के साथ पंडाल व्यवस्था समिति, अतिथि सम्मान समिति, भोजन व्यवस्था समिति, आवास समिति, मुनि सेवा समिति व प्रचार प्रसार समिति का विशिष्ट योगदान रहा हैं। कार्यक्रम व मंच संचालन की जवाबदारी श्री सनत कुमार जैन व श्री के.सी. जैन द्वारा निभाई गई।

देखने और दिखाने से नहीं होता धर्म - श्रवणाचार्य श्री विशुद्ध सागरजी

ईशानगर, छतरपुर जिनेंद्र कुमार जैन – ईशानगर में दिनांक 13 से 17 मई तक पंचकल्याणक महोत्सव विविध कार्यक्रमों के साथ सानंद संपन्न हुआ पंचकल्याणक के अंतिम दिवस मोक्ष कल्याणक के अवसर पर भव्य गजरथ निकाली गई भगवान के मोक्ष कल्याणक की मंगल बेला पर समारोह स्थल श्रीजी के जयकारों से गुंजायमान होता रहा ।

पंचकल्याणक के मंगल अवसर पर आयोजित धर्मसभा में 108 आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज ने आशीर्वचन देते हुए कहा कि अपन पढे. लिखे हैं या अनुभवी है, कैसे हैं हम लोग, इन दोनों में बहुत बड़ा अंतर होता है उन्होंने कहा कि पढ़ा लिखा व्यक्ति तो केवल किताबों को पढ़ता है किताबों को पढ़कर अनुभव से किया गया कार्य लंबे समय तक चलता है और ऐसा ही धर्म का स्वभाव है, धर्म केवल देखने और दिखाने से नहीं होता, श्रद्धा का बीज अपने अंदर अंकुरित करें और संकल्प लें कि अपने देव, शास्त्र व गुरु के प्रति श्रद्धा बनाकर रखेंगे, इससे श्रद्धा की शक्ति अपने आप प्राप्त हो जावेगी ।

108 आचार्य श्री विशुद्ध सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में त्रिमूर्ति जिनबिम्ब मंदिर के पंचकल्याणक महोत्सव के अंतिम दिन मोक्ष कल्याणक महोत्सव के दिन इन्द्र, इंद्राणी द्वारा अभिषेक शांतिधारा पूजन व हवन पश्चात भव्य गजरथ शोभायात्रा कार्यक्रम स्थल से प्रारंभ होकर रामराजा चौराहे होती हुई सकल दिगंबर जैन मंदिर पहुंची, जगह–जगह गजरथ शोभायात्रा का स्वागत व श्रीजी का की आरती श्रावकों द्वारा विनय पूर्वक उतारी गई। स्वर्ण रथ पर सवार श्रीजी का कार्यक्रम स्थल पर अभिषेक शांतिधारा कर पूर्ण विधि विधान के साथ नवीन वेदिका पर विराजमान किया गया। इस भव्य कार्यक्रम का संचालन जितेन्द्र जैन नौगांव ने किया व ईशानगर के अनेक श्रावकों जिनेंद्र जैन, अभिषेक जैन, अशोक जैन, अनुज (अन्नू) जैन, दीपक जैन, रोहित जैन, प्रिंस जैन, सुधांशु जैन, प्रवीण जैन, अमित जैन, सुनील जैन, राहुल जैन, मनोज जैन, अजय जैन, राज जैन, राजेश जैन, चन्द्रप्रकाश जैन आदि ने कार्यक्रम को भव्य बनाने में अपनी सहभागिता निभाई।